

SSC CGL & CPO 2018



GENERAL STUDIES



HISTORY

GANDHIAN ERA

PART -2

AT 7:00 PM



Indian National Movement/ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन

Gandhian Era/गांधीवादी युग- (1915 AD to 1947 AD)

Kheda Satyagraha/खेड़ा सत्याग्रह- 1918

In March 1918, Gandhiji worked for peasants of Kheda in Gujarat who were facing difficulties in paying the tax owing to the failure of crops.

मार्च 1918 में, गांधीजी ने गुजरात में खेड़ा के किसानों के लिए काम किया, जो फसलों की विफलता के कारण टैक्स भुगतान करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे।

Rowlatt Act/रौलेट अधिनियम- 1919

Gandhiji gave a call for Satyagraha against the Rowlatt Act on April 6, 1919, and took the command of the nationalist movement for the first time (First all-India Political Movement).

गांधीजी ने 6 अप्रैल, 1919 को रौलेट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह का आह्वान किया और पहली बार राष्ट्रवादी आंदोलन (प्रथम अखिल भारतीय राजनीतिक आंदोलन) का निर्णय लिया गया।

Rowlatt Act/रौलेट अधिनियम- 1919

**Rowlatt Act is also known as
Black act.**

रौलेट एक्ट को काला कानून के नाम से
भी जाना जाता है।

The Jallianwala Bagh massacre/जलियाँवाला बाग नरसंहार

The Jallianwala Bagh massacre, also known as the Amritsar massacre, took place on 13 April 1919 when troops of the British Indian Army under the command of Colonel Reginald Dyer fired rifles into a crowd of Indians, who had gathered in Jallianwala Bagh, Amritsar, Punjab.

जलियाँवाला बाग नरसंहार, जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है, 13 अप्रैल 1919 को हुआ जब कर्नल रेजिनाल्ड डायर के आदेश में ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों ने भारतीयों की भीड़ में राइफलें निकाल दीं, जो जलियाँवाला बाग, अमृतसर, पंजाब में इकट्ठे हुए थे।

The Jallianwala Bagh massacre/जलियाँवाला बाग नरसंहार

The civilians of Punjab had assembled to condemn the arrest and deportation of two local leaders, Dr.Satya Pal and Saifuddin Kitchlew.

पंजाब के नागरिक दो स्थानीय नेताओं, डॉ सत्य पाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन की निंदा करने के लिए इकट्ठे हुए थे।

The Jallianwala Bagh massacre/जलियाँवाला बाग नरसंहार

Ravindranath Tagore returns Knight-hood award as a protest against Jallianwala Bagh massacre-April 13, 1919.
रवींद्रनाथ टैगोर ने 13 अप्रैल, 1919 को जलियाँवाला बाग नरसंहार के विरोध स्वरूप नाइटहुड पुरस्कार वापस कर दिया।

Hunter committee/हंटर समिति-1919

The Jallianwala Bagh massacre was followed by the establishment of a non-official inquiry committee was Congress. The British Government did not initiate such inquiry until Congress had set up such committee.

जलियाँवाला बाग नरसंहार के बाद गैर-आधिकारिक जांच समिति की स्थापना कांग्रेस ने की। जब तक कांग्रेस ने ऐसी समिति की स्थापना नहीं की थी तब तक ब्रिटिश सरकार ने ऐसी जांच शुरू नहीं की।

Hunter committee/हंटर समिति-1919

Later, the Government established a Disorders Inquiry Committee headed by Lord William Hunter, a Senator of College of Justice of Scotland. This committee had 7 members viz. 4 British and 3 Indians.

बाद में, सरकार ने स्कॉटलैंड के कॉलेज ऑफ जस्टिस के सीनेटर लॉर्ड विलियम हंटर की अध्यक्षता में एक विकार जांच समिति की स्थापना की। इस समिति के 7 सदस्य थे जिसमें 4 ब्रिटिश और 3 भारतीय शामिल थे।

Note/ध्यान दें-

The difference in Hunter commission & Hunter Committee.

हंटर कमीशन और हंटर समिति में अंतर।

Hunter Commission and Hunter Committee are not same both are different. It can be confusing.

हंटर आयोग और हंटर समिति दोनों समान नहीं हैं। यह भ्रमित हो सकता है।

Note/ध्यान दें-

Hunter Commission-1882 (1 year before Ilbert bill and 3 years before the establishment of INC)

हंटर कमीशन -1882 (इल्बर्ट बिल से 1 साल पहले और आईएनसी की स्थापना से 3 साल पहले)

Hunter committee-1919 (Regarding inspection on Jalianwala bag Massacre,13 April 1919).

हंटर समिति -1919 (जलियाँवाला बाग नरसंहार पर निरीक्षण के संबंध में, 13 अप्रैल 1919)

The All India Khilafat Movement/अखिल भारतीय खिलाफत आंदोलन- 1920-22

The All India Khilafat Movement Conference elected Gandhi as its president (November 1919, Delhi).

अखिल भारतीय खिलाफत आंदोलन सम्मेलन ने गांधीजी को अपने अध्यक्ष (नवंबर 1919, दिल्ली) के रूप में चुना।

The Sultan of Turkey, was looked upon by the Muslims as their religious head.

तुर्की के सुल्तान, को मुसलमानों द्वारा उनके धर्म के प्रमुख के रूप में देखा गया।

The All India Khilafat Movement/अखिल भारतीय खिलाफत आंदोलन- 1920-22

During the First World War, Turkey was defeated by England.

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, इंग्लैंड ने तुर्की को हराया।

Indian Muslims adopted an aggressive anti-British attitude.

भारतीय मुस्लिमों ने एक आक्रामक ब्रिटिश विरोधी दृष्टिकोण अपनाया।

The Ali Brothers/अली बन्धु –

Mohammad Ali and Shaukat Ali launched an anti-British movement in 1920 as The Khilafat Movement.

मोहम्मद अली और शौकत अली ने 1920 में खिलाफत आंदोलन के रूप में एक ब्रिटिश विरोधी आंदोलन शुरू किया।

The All India Khilafat Movement/अखिल भारतीय खिलाफत आंदोलन- 1920-22

Maulana Abul Kalam Azad also led the movement. It was supported by Gandhiji and INC which the way for Hindu-Muslim unity.

मौलाना अबुल कलाम आजाद ने भी आंदोलन का नेतृत्व किया। गांधीजी और आईएनसी ने इसे हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए समर्थन दिया था।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

Gandhi leads the Non-Cooperation and Khilafat Movement (August 1, 1920–February 1922)

गांधीजी ने असहयोग और खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया (1 अगस्त, 1920-फरवरी 1922)

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

At that time the Viceroy of India was Lord Chelmsford.

उस समय भारत के वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड थे।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

Started with the aim of the annulment of the Rowlatt Act, and correcting the 'Punjab Wrong', changing the 'Khilafat Wrong' i.e. the British should adopt a lenient attitude towards Turkey, one of the defeated countries in the First World War, was as well as moving towards the cherished goal of Swaraj.

यह आन्दोलन रौलेट अधिनियम की समाप्ति के उद्देश्य से शुरू किया गया था, साथ ही 'पंजाब की गलती' को सुधारने, 'खिलाफत गलती' को बदलने यानी अंग्रेजों को तुर्की के प्रति एक उदार दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, जो प्रथम विश्व युद्ध में पराजित देशों में से एक था, साथ ही पूरी तरह से स्वराज को लक्ष्य माना गया।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

The Congress at a special session in September 1920 at Calcutta agreed to start the “Non – Cooperation Movement”. This decision was further endorsed at its Nagpur session held in December 1920.

सितंबर 1920 में कलकत्ता में एक विशेष सत्र में कांग्रेस ने "असहयोग आंदोलन" शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। दिसम्बर 1920 में आयोजित नागपुर सत्र में इस फैसले समर्थन किया गया था।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

This was first mass movement which was launched by Gandhiji on August 1, 1920.

यह पहला व्यापक आंदोलन था जिसे गांधीजी ने 1 अगस्त 1920 को प्रारंभ किया था।

On August 1, 1920 Bal Gangadhar Tilak was passing away.

1 अगस्त, 1920 को बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु हो गई।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

Gandhiji gave up title of Kaiser-i-Hind.

गांधीजी ने कैसर-ए-हिंद की उपाधि वापस लौटा दी।

Maulana Mohammad Ali was the first Muslim leader to be arrested during the movement.

मौलाना मोहम्मद अली आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किए जाने वाले पहले मुस्लिम नेता थे।

Non-Cooperation Movement/असहयोग आंदोलन- 1920-22

Charkha and Khadi became symbol of Indian Nationalism.

चरखा और खादी भारतीय राष्ट्रवाद का प्रतीक बन गए।

Chauri – Chaura Case/चौरी - चौरा घटना- 5 February, 1922

A mob of 2000 people gathered to picket a liquor shop at Chauri-Chaura, a town near Gorakhpur (U.P). The police fired and killed 3 people.

गोरखपुर (यूपी) के पास एक शहर चौरी-चौरा में शराब की दुकान पर 2000 लोगों की भीड़ इकट्ठी हुई। पुलिस ने गोलियां बरसायी जिसमें 3 लोग मारे गये।

Chauri – Chaura Case/चौरी - चौरा घटना- 5 February, 1922

The result was that outrageous mob set the police chauki on fire and all 23 policemen got burnt alive.

परिणामस्वरूप उग्र भीड़ द्वारा पुलिस चौकी को आग लगा दिया और सभी 23 पुलिसकर्मी जिन्दा जल गये।

Chauri – Chaura Case/चौरी - चौरा घटना- 5 February, 1922

On 12 February 1922, when the Congress leaders met at Bardoli, and Gandhiji decided to withdraw the Non-Cooperation movement.
12 फरवरी 1922 को, कांग्रेस नेताओं ने बारदोली में मुलाकात की, और गांधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला किया।

Chauri – Chaura Case/चौरी - चौरा घटना- 5 February, 1922

**Gandhiji was arrested on 10
March 1922.**

**गांधीजी को 10 मार्च 1922 को
गिरफ्तार कर लिया गया**